

श्री आनन्दतीर्थ भगवत्पादाचार्य विरचितम्

ब्रह्मसूत्रभाष्यम्

श्री त्रिविक्रमपण्डिताचार्य विरचित तत्त्वप्रदीपिका

श्रीजयतीर्थविरचित तत्त्वप्रकाशिका इति टीकाद्वयेन, श्री वादिराजतीर्थविरचित गुर्वर्थदीपिका,

श्रीरघूत्तमतीर्थविरचित भावबोधः, श्रीराघवेन्द्रतीर्थविरचित भावदीपः,

श्रीताम्रपर्णी श्रीनिवासविरचित वाक्यार्थमुक्तावली, श्री पाण्डुरङ्गि श्रीनिवासाचार्यविरचित तत्त्वसुबोधिनी,

श्रीनिवासतीर्थविरचित वाक्यार्थविवरणम्, श्रीशर्करा श्रीनिवासविरचित वाक्यार्थमञ्जरी,

इति सप्तटिप्पणीभिः समलङ्कितम्

पञ्चमं सम्पुटम्

(तृतीयाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ)

Edited by

Mahāmahopādhyāya

Prof. K.T. Pandurangi

Formerly Prof. of Sanskrit, Bangalore University

Hon. Director, Dvaita Vedanta Studies and Research Foundation

Upakulapati, Poornaprajna Vidyapeetha, Bangalore

2000



Published by

Dvaita Vedanta Studies and Research Foundation

No.33/163, 10th B Main Road, Jayanagar I Block, Bangalore-11.